(e) what is the revenue earned by Government from the plywood manufacturers; and

(d) whether Government have given subsidies to the plywood manufacfacturers and if so, to what extent?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI VISHWANATH PRATAP SINGH). (a) to (c) Voume of Export of plywood and foreign exchange earned therefrom during the year 1974-75 and 1975-76 (April—November) was as follows·—

	Quantity (in lakh Kgs)	Value (in Rs lakhs)
1974-75	195 9	683 00
1975-76 (April Nov)	38 2	160 00

Separate figures for Assam are not available

(d) The usual incentives admissible on exports are being provided

मध्य प्रदेश में राष्ट्रीयकृत बैंकों की शाखाएं खोलना

4533. श्री हुकम चन्द कछवाय : क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि क्या सरकार की मध्य प्रदेश के उन क्षेत्रों मे, जिनमें अधिकतर हरिजन और आदिवासी रहते हैं, राष्ट्रीयकृत बैंकों की शाखाएं खोलने की कोई योजना है ?

राजस्व और बैंकिंग विभाग के प्रभारी राज्य मंत्री (श्री प्रणब कुमार मुखर्जी) : वाणिज्यिक बैंकों को सलाह दी गयी है कि शाखा विस्तार की अपनी योजना बनाते समय जन जाति क्षेत्रों, आदिवासी क्षेत्रों आदि सहित कम बैंक वाले क्षेत्रों की आवश्यकताओं की ओर उन्हे अधिक ध्यान देना चाहिए। भारतीय रिजर्व बैंक ने सूचित किया है कि दिसम्बर, 1975 की स्थिति के अनुसार सरकारी क्षेत्र के बैंकों सहित वाणिज्यिक बैंकों के पास मध्य प्रदेश के ऐसे चौबीस जिलों मे नये कार्यालय खोलने के लिए बकाया लाइसेंस/आवंटन पत्र बाकी थे, जिनमें हरिजन तथा आदिवासी जनसंख्या औसत से अधिक है। इसके अलावा, शाखा विस्तार की उनकी 1976 की योजनाओं के अनुसार इन जिलों में और तैतालीस शाखाएं खोलने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अनुमति दी जा रही है।

रुई की कमी

3534. श्री हुकम चन्द कछवाय : क्या वाणिज्य मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या देश मे इस समय रुई की बहुत अधिक कमी है और यदि हां, तो इस समय देश मे रूई का कितना उत्पादन होता है ,

(ख) गत तीन वर्षों में विदेशो से कितनी रुई का आयात किया गया और देशी तथा आयातित रुई के मूल्यो मे कितना अन्तर रहा , और

(ग) क्या देश मे खपत को ध्यान मे रखते हुए देश मे रुई का उत्पादन बढाने की सरकार की कोई योजना है ?

वाणिज्य मंत्रालय मे उपमंत्री (श्री विश्वनाथ प्रताप सिंह) (क). चालू रुई मौसम के सबंध मे रुई के उत्पादन आकडे अभी उपलब्ध नही है।

(ख) विगत तीन वर्षों के दौरान विदेशो से आयात की गई रुई की मात्रा निम्नोक्त प्रकार है –

वित्तीय वर्ष	मात्रा 180-180 कि०ग्रा० की हजार गाठों मे
1972–73	626 0
1973–74	317.9
1974–75	76.5